(Some Secret Tantra Sadhana)
-- कुछ गोपनीय तंत्र-साधनाएं --

प्रिय साधकों ! वास्तव में मंत्र और तंत्र के मध्य अटूट सम्बन्ध है। यदि हम कोई भी साधना मात्र मांत्रिक विधि से सम्पन्न करते हैं तो उसमें विलम्ब होता है । लेकिन यदि वही साधना हम तांत्रिक रीति से सम्पन्न करते हैं, तो वह शीघ्र और प्रभाव पूर्ण फलदायी होती है। उसे हम जिस भी कार्य के लिए सम्पन्न करते हैं, उसका त्वरित फल हमें प्राप्त होता है।

तंत्र से अभिप्राय तकनीक से है। किसी भी कार्य को तकनीकी एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पादित करना ही तंत्र कहलाता है। तांत्रिक क्रिया सम्पन्न करते समय हम किसी देवी-देवता के समक्ष न तो हाथ जोड़ते हैं, न गिड़गिड़ाते हैं, ना प्रार्थना करते हैं, वरन् अदम्य उत्साह के साथ सम्बन्धित देवी-देवता की आंखों में आंखे डालकर अपने कार्य की सिद्धि के लिए उसे विवश कर देते हैं।

मेरे पास बहुत से स्त्री-पुरूषों के फोन व ई-मेल आते रहते हैं, जिनकी भिन्न-भिन्न समस्याएं होती हैं । लेकिन इन समस्याओं में सर्वाधिक समस्याएं ऐसी हैं, जिनका सम्बंध केवल पति-पत्नि के मध्य विवाद, मुकदमें और आजिविका में अचानक आने वाली अड़चनों से होता है। कन्या एवं पुत्रों के विवाह में विलम्ब भी एक कठिन समस्या प्रतीत होती है। ऐसी स्थितियों के निराकरण हेतु मैं कुछ प्रयोग यंहा प्रस्तुत कर रहा हूँ ।

पति-वशीकरण-प्रयोग
(Mantra for attraction of husband)

नई दिल्ली में स्थित एक पाश कालोनी निवासी एक सभ्रांत महिला, जो काफी समय से मेरी अनुयायी हैं, एक दिन मेरे पास आयीं और उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने मुझसे एक बात आज तक छुपा रखी थी कि उनके पति किसी अन्य अविवाहित महिला के पाश में ऐसे बंधे हुए हैं कि वे कई-कई दिन घर आते ही नहीं हैं और यदि आते भी हैं तो मुझसे व बच्चों से अभद्र व्यवहार करते हैं और तुरन्त ही वापस चले जाते हैं । अब उन्हें न तो मेरी चिन्ता है और न ही बच्चों की । घर के खर्च देने के नाम पर भी या तो कन्नी काटने

लगते हैं या फिर झगड़ा करके तुरन्त चले जाते हैं ।मैं यदि कुछ कहने का प्रयास करती हूँ तो वे तलाक देने की धमकी देते हैं ।

उसकी बातें सुनकर मेरा मन भी विह्वल हो उठा। मैंने खूब मंथन किया और उन्हें एक वशीकरण यंत्र दिया। मैंने उन्हें यह भी निर्देश दिया कि इस यंत्र पर प्रतिदिन जल चढ़ाएं और फिर उस जल को पूरे निवास स्थान में छिड़क दें। मैंने उन्हें यह भी बताया कि इस यंत्र को पूजा-स्थल में रखकर तब तक निम्नांकित मंत्र का जप करती रहें, जब तक उनके पति पूर्णतः उनके अनुकूल न हो जायें । जब मंत्र का परिणाम प्राप्त हो जाये तो उस यंत्र को किसी चलती हुई नदी में प्रवाहित कर दें ।

इस घटना के लगभग डेढ़ माह बाद वे महिला मेरे पास आयीं तो उनका मुख प्रसन्नता से अभिभूत था। उन्होंने स्वीकार किया कि वास्तव में तंत्र-मंत्र में अद्भुत शक्ति होती है । पूजा आरम्भ करने के लगभग १५-२० दिन तक कुछ नहीं प्रतीत हुआ लेकिन उसके बाद मेरे पतिदेव और उस पतित महिला के मध्य ऐसा घमासान हुआ कि उस महिला ने मेरे पति को जूते मारे और घर से बाहर निकाल दिया। मेरे पति ने भी उस महिला की चोटी तेज धार वाले चाकू से काट दी । और इस सबका परिणाम यह हुआ कि मेरे पति ने घर आकर मुझसे माफी मांगी और शपथ ली कि आज के बाद वे कभी भी उस स्त्री के घर नहीं जायेगें ।

उस दिन के उपरान्त वे नियमित रूप से घर आ रहे हैं और अपने पति एंव पिता धर्म का अनुपालन कर रहे हैं ।

यह मंत्र और तंत्र किसी के द्वारा भी किसी पर भी किया जा सकता है। भले ही वे प्रेमी-प्रेमिका हों, पति-पत्नी हों, या फिर कोई भी हों । जब कंही भी वशीकरण सम्बंधी कोई भी समस्या हो तो इस मंत्र एवं तंत्र का प्रयोग वंहा किया जा सकता है।

मंत्रः- ॐ ह्रीं अनंगाय अमुकं वश्यमानाय ह्री ॐ फट् ।।

अमुक शब्द के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लें जिसका वशीकरण आपको करना है। निश्चित रूप से मानिए कि यह मंत्र स्वयं में पूर्ण सिद्धिप्रद एवं अचूक है।

शीघ्र विवाह हेतु
(Mantra For Marriage)

लम्बे समय से मेरे अनुयायी हेतराम एक दिन मेरे पास आये और बातों ही बातों में उन्होंने मुझे बताया कि उनकी पुत्री की आयु २८ वर्ष की हो चुकी है, लेकिन उसकी शादी नहीं हो पा रही है। उस लड़की की कुण्डली में भी ऐसा दोष था कि वह आजीवन अविवाहित ही रहेगी । मैंने उन्हें निर्देश दिया कि वे अपनी पुत्री को मेरे पास लायें ।

उसी दिन शाम को वे अपनी पुत्री को लेकर मेरे पास आ गये । तब मैंने उस कन्या को मैंने ' कामदेव रति यन्त्र' देकर 'कामदेव रति गायत्री मंत्र' भी दिया और कहा कि यदि वह सम्पूर्ण विश्वास के साथ यंत्र को पूजा स्थल में रखकर मंत्र का सवा लाख जप करेगी तो कुछ ही दिनों में उसे श्रेष्ठ वर की प्राप्ति होगी ।

मैंने उसे यह भी बताया कि वह प्रातः काल में उठकर स्नानोपरान्त भगवान सूर्य को सात बार जल का अर्घ्य दे और उसके उपरान्त आसन पर बैठकर हकीक की माला से निम्नांकित मंत्र का सवा लाख का अनुष्ठान नियमपूर्वक चालीस दिन में करे।

उस बालिका ने ऐसा ही किया और मुझे उस समय प्रसन्नता हुई जब हेतराम ने मुझे एक दिन आकर बताया कि उसकी पुत्री का विवाह एक सम्पन्न और सभ्रान्त परिवार में हो गया है। आज विभा तीन बच्चों की माता हैं और सुखी-समृद्ध जीवन बिता रही हैं।

कामदेव रति गायत्री मंत्र निम्नवत् हैः-

मंत्रः-ॐ कामदेवाय विद्महे, रति-प्रियायै धीमहि, तन्नो अनंग प्रचोदयात्।।

पत्नी की आयु पति को अथवा पति की आयु पत्नी को दी जा सकती है---

यह एक तांत्रिक विधान है, जिसमें यदि कुण्डली के अनुसार पति की आयु कम हो अथवा पति की आयु कम हो तो पति या पत्नी परस्पर अपनी आयु का कुछ भाग देकर दूसरे की आयु में कुछ वर्ष जोड़ सकते हैं। परन्तु यंहा यह आवश्यक है कि आयु के कुछ वर्ष देने वाला व्यक्ति स्वेच्छा से यह कार्य करे। यद्यपि यह एक कठिन क्रिया है लेकिन तंत्र के द्वारा यह सब सम्भव है।

यदि कोई भी व्यक्ति यह क्रिया सम्पन्न करना चाहता है तो वह दम्पति मेरे पास आये।

इस विधान में ५१ तेल के दीपकों की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम वे ५१ सरसों के तेल के दीपक जलाकर दम्पति के चारों ओर रख दें। तदोपरान्त इस प्रयोग को सम्पन्न करें। इसके बाद जो व्यक्ति अपनी आयु देना चाहता है वह अपने हाथ में जल से भरा लोटा लेकर दूसरे व्यक्ति की केवल चार बार परिक्रमा करे, साथ ही यह भी उच्चारण करे कि ' मैं अपनी आयु में से इतने वर्ष इस व्यक्ति को दे रहा हूँ अथवा दे रही हूँ । इसके बाद आयु देने वाला व्यक्ति लोटे में भरे जल को आयु प्राप्त करने वाले व्यक्ति के पलंग के चारो और चक्र सा बना दे ।

इस क्रिया को सम्पन्न करने से निश्चय ही संकल्पित आयु दूसरे व्यक्ति को मिल जाती है।

ऐसे विशिष्ट प्रयोग को करने से यदि कोई व्यक्ति अकाल मृत्यु को प्राप्त हो रहा हो, जिसके बचने की कोई आशा शेष न रह गयी हो, वह भी जी उठता है।

.....

कुछ तांत्रिक टोटके

राज कार्य सिद्धि हेतुः- किसी भी शनिवार के दिन सवा किलो गेंहू के आटे का एक रोट बनाकर उस पर घी, शक्कर और शहद रखकर किसी भी हनुमान मंदिर में जाकर हनुमान जी को उसका भोग लगाएं । ऐसा तीन-चार बार करें तो राजकीय कार्य में सफलता निश्चित रूप से प्राप्त होती है।

अभिष्ट-सिद्धि हेतु :- किसी सफेद छोटे कागज पर अपनी इच्छा लिखकर उसकी गोली बनाकर गेंहू के आटे में लपेट लें । इसी प्रकार १०१ गोलियां बनाएं और उन्हें मछलियों को खिलाएं। इस उपाय से शीघ्र ही मनोकामना पूर्ण होती है।

समस्त बाधाओं के निवारण हेतुः- शुद्ध काले हकीक की माला धारण करने से व्यक्ति के जीवन में आने वाली बाधाएं समाप्त होने लगती हैं और उसके समस्त कार्य निर्विघ्न होने लगते हैं।

.....

अघोर मंत्र
(Aghor Mantra)

साधारण तो क्या विशेष लोग भी 'अघोर' नाम लेते ही एक अनचाही भाव-भंगिमा व्यक्त करने लगते हैं। लेकिन यदि वास्तव में देखा जाये तो अघोर-साधना तंत्र का श्रेष्ठतम स्वरूप है।

यंहा मैं कुछ अघोर मंत्रों का उल्लेख कर रहा हूँ, जो तीक्ष्ण तलवार के समान प्रभावशाली हैं। यदि इन मंत्रों का प्रयोग विशिष्ट कार्य के लिए कर दिया जाये तो निश्चित ही उनके अचूक परिणाम प्राप्त होते है।

सम्मोहन मंत्र (Mantra for Attraction)
(sammohan mantra vashikaran mantra)

।। ॐ ह्लूं अमुक सम्मोहनाय ह्लूं फट् ।।

साधना-विधिः- अपने पूजा स्थल के सामने बैठकर मंदिर में किसी प्लेट आदि पर अघोर सम्मोहन यंत्र रखें । तदोपरान्त उस यंत्र के पास ही उस व्यक्ति का फोटो रखें, जिसका आप सम्मोहन करना चाहते है। रूद्राक्ष माला से उपरोक्त लिखे मंत्र का १०८० अर्थात् दस माला जप करें । इसके उपरान्त फोटो को यंत्र के साथ बांधकर किसी स्थान पर रख दें। ऐसा करने पर सम्बन्धित व्यक्ति का

सम्मोहन शुरू हो जाता है और धीरे-धीरे अनुकूल परिणाम प्राप्त होने लगते है। मंत्र में आये अमुक शब्द के स्थान पर उस व्यक्ति का नाम लें, जिसका सम्मोहन करना हो।

Shri Yogeshwaranand Ji (India)
9917325788, 9675778193
shaktisadhna@yahoo.com
www.anusthanokarehasya.com

Some Of the Books Written By Shri Yogeshwarnand Ji
For Purchasing the books contact 9410030994

1. Mahavidya Shri Bagalamukhi Sadhana Aur Siddhi

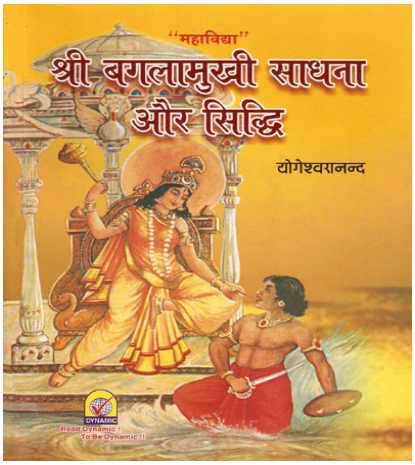

2. Mantra Sadhna

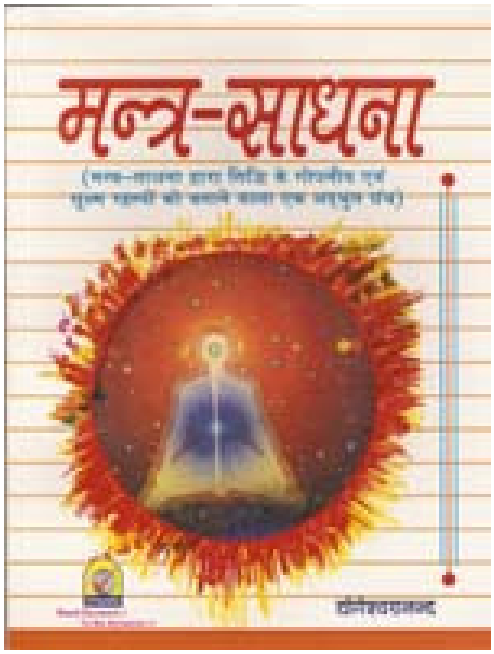

3. Shodashi Mahavidya (Shri MahaTripursundari Sadhana)